nwda.gov.in

अति वर्षा से मप्र के मालवा में स्थिति गंभीर

- इंदौर में 171 मिमी वर्षा के साथ 61 साल का रिकार्ड टूटा
- प्रदेश में 2482 मकान आंशिक तो 78 मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त

राज्य ब्यूरो, भोपाल : पिछले तीन दिनों से अति वर्षा से उपजे बाढ़ के हालात और जल भराव के कारण मध्य प्रदेश के मालवा-निमाड़ के जिलों में गंभीर स्थिति बनी हुई है। इंदौर में शुक्रवार शाम चार बजे से शनिवार सुबह साढ़े आठ बजे तक 171 मिमी वर्षा के साथ 61 साल का रिकार्ड टूटा, जो 24 घंटे के दौरान सर्वाधिक वर्षा का रिकार्ड था।

इंदौर, खंडवा, खरगोन, बड़वानी और बुरहानपुर जिले में कई स्थानों पर फंसे 8718 लोगों और 2637 पशुधनों को मध्य प्रदेश राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल ने बचाकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। भारी वर्षा से प्रदेश में 2482 मकान आंशिक तथा 78 मकान पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को मीडिया से चर्चा में बताया कि अतिवृष्टि के कारण कहीं-कहीं कुछ असुविधा हुई है। जहां भी नुकसान हुआ है, वहां सर्वे करके पूरी राशि दी जाएगी।

उधर, राजस्थान में तीन दिन से जारी बारिश के चलते पांच लोगों की मौत हो चुकी है। बांसवाड़ा जिले में माही नदी उफान पर होने से कई गांवों का संपर्क दूसरे इलाकों से कट गया है। जालोर तथा सांचौर जिलों में स्कूलों की छुट्टी कर दी गई। बांसवाड़ा में नाले में बहने से तीन और मकान गिरने से दो लोगों की मौत हुई है। लगातार बारिश के चलते कुशलगढ़ में सात, आनंदपुरी में एक और अरथूना में एक कच्चा मकान गिर गया। कई रास्ते बंद हैं।

एसडीईआरएफ की टीम ने रविवार को गौतमेपुरा क्षेत्र में 60 लोगों को मोटर बोट से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया ● सौजन्य जिला प्रशासन

उज्जैन में वायुसेना का हेलीकाप्टर मंगाया गया

उज्जैन में बड़नगर के समीप जांगला पंचायत के सेमलिया गांव में तीन लोग पानी के बीच फंस गए। इनमें एक गर्भवती महिला और दो पुरुष थे। बचाव के लिए कलेक्टर ने नागपुर से वायुसेना का हेलीकाप्टर मंगाया। जिले में शिप्रा, चंबल आदि नदियां उफान पर हैं, गंभीर डैम के पांच गेट रविवार को भी खुले रहे।

ग्राम सेमलिया में रेस्क्यू के लिए पहुंचा हेलीकाप्टर ● सौजन्य जनसंपर्क विभाग

गुजरात में बाढ़, 9,600 लोग सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित

अहमदाबाद, प्रेट्र : गुजरात में भारी वर्षा से निचले क्षेत्रों में बाढ़ आ गई है। नर्मदा और अन्य नदियों के उफान पर होने से पांच जिलों से लगभग 9,600 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। सरदार सरोवर बांध इस मानसून में पहली बार रविवार सुबह 138.68 मीटर के पूर्ण भंडारण स्तर (एफआरएल) पर पहुंच गया। इसके बाद अधिकारियों ने पड़ोसी मप्र के जलग्रहण क्षेत्रों से आ रहे अधिक पानी को निकालने के लिए बांध के कई द्वार खोल दिए। इससे स्थिति और बिगड़ गई।